के लिए एक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र है। मध्य प्रदेश में यह अनुपात 4725 व्यक्तियों के लिए एक उपकेन्द्र, 41272 व्यक्तियों के लिए एक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और 3,19,000 व्यक्तियों के लिए एक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के रूप में है।

**मध्य प्रदेश में "एड्स" का पता लगाने की सुविधाएं**

2644. **श्री अजीत जोगी :**
**ठाकुर जगतपाल सिंह :**

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में शहरों के नाम सहित उन अस्पतालों के नाम क्या हैं, जिनमें "एडस" का पता लगाने की सुविधाएं उपलब्ध हैं ; और

(ख) क्या विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं में अध्ययन करने वाले विदेशी विद्यार्थियों की, इस रोग की दृष्टि से, यदाकदा जांच की जाती है ?

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री रफीक आलम) :** (क) मध्य प्रदेश के उन अस्पतालों के नाम, जहां एड्स परीक्षण की सुविधाएं उलब्ध हैं, इस प्रकार हैं :—

1. गान्धी मेडिकल कालेज, भोपाल।

2. क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र, मेडिकल कालेज, जबलपुर।

3. चोयतराम अस्पताल एवं अनुसंधान केन्द्र, इन्दौर।

(ख) जी हां, विदेशी छात्रों को भारतीय शिक्षा संस्थाओं में प्रवेश लेने से पहले स्वास्थ्य जांच के एक भाग के रूप में एच०आई०वी० प्रतिपिण्डों के लिए अपनी जांच करानी होती है।

**मध्य प्रदेश में बस्तर में मलेरिया**

2645. **श्री अजीत जोगी :**
**ठाकुर जगतपाल सिंह :**

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि मध्य प्रदेश के एक आदिवासी जिले बस्तर में कुछ खास किस्म के मलेरिये का प्रकोप बढ़ रहा है ; और

(ख) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है और सरकार इस संबंध में क्या कार्यवाही कर रही है ?

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री रफीक आलम) :** (क) और (ख) मध्य प्रदेश के बस्तर जिले में किसी प्रकार का असाधारण मलेरिया नहीं फैला हुआ है। बस्तर जिले से मलेरिया और पी० फाल्सीपेरम के रोगियों की सूचना मिल रही है। 1987 की तुलना में 1988 के दौरान मलेरिया और पी० फाल्सीपेरम के रोगियों की कमी हुई है जो इस प्रकार है :—

| वर्ष | मलेरिया | पी० फाल्सीपेरम के रोगी |
|---|---|---|
| 1987 | 38766 | 32625 |
| 1988 | 36773 | 29826 |

मध्य प्रदेश सहित देश में मलेरिया को फैलने से रोकने के लिए निम्नलिखित उपाय किये जा रहे हैं :—

—जिन क्षेत्रों में वार्षिक परजीवी घटना की दर 2 और इससे अधिक है वहां मलेरिया के संचरण पर काबू पाने के लिए अवशिष्ट कीटनाशी छिड़काव किय